वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 45 | मंगलवार 13 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

क्राउन सेरेमनी में दिखा फैशन एक्स का रॉयल अंदाज

जयपुर में 24 जून को होगा फिनाले, सलेक्ट मॉडल्स की ग्रूमिंग के बाद होगी रैम्पवॉक

जयपुर. कासं। रिद्धि-सिद्धि स्थित इचकदाना रेस्टोरेंट में फैशन एक्स के दूसरे सीजन के क्राउन सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का फिनाले सीतापुरा स्थित जी स्टूडियो में 24 जून को आयोजित किया जाएगा। 23 जून को सलेक्टेड मॉडल्स की ग्रूमिंग की जाएगी। फैशन शो के लिए देशभर से आवेदन मांगे गए थे। इसके लिए कई जगह ऑडिशंस भी रखे गए। जो कि दिल्ली, देहरादून, जयपुर, अहमदाबाद और चंडीगढ़ में आयोजित किये गए। शो के लिए इन ऑडिशंस के माध्यम से कुल 25 मॉडल्स का सलेक्शन किया गया। शो में फैशन एक्स क्वीन सीजन 2 विनर समेत कुल 6 टाइटल दिए जाएंगे। इनमें मिस पर्सनैलिटी, मिस ब्यूटीफुल, मिस पॉपुलर के साथ मिस योगा जैसी खास कैटेगरी को भी शामिल किया गया है। कार्यक्रम के संयोजक इनोविजन ब्रांड मैनेजमेंट के हरेंद्र डोगरा एवं विनोद साहनी हैं। वहीं मिसेज इंडिया इंटरनेशनल दीप्ति सैनी और बॉलीवुड के क्रिएटिव डायरेक्टर राकेश उपाध्याय शो में जज रहेंगे। शो में विजेता मॉडल्स को म्यूजिक वीडियो एलबम और वेब सीरीज में काम करने का मौका मिलेगा।

आर्ट कैम्प में जुटे प्रदेशभर के 50 से अधिक चित्रकार

कैनवास पर शुरू किया चित्र बनाना, पहली बार राजस्थान ललित कला अकादमी ने दिया मंच

जयपुर. कासं

राजस्थान ललित कला अकादमी की ओर से सोमवार से राज्य स्तरीय कैम्प की शुरूआत हुई। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा, उपाध्यक्ष सुशील पारीक , पद्मश्री शाकिर अली, कलाविद् सुब्रतों मंडल और अकादमी के चेयरमैन लक्ष्मण व्यास मूर्तिकार ने कैनवास पर पेंट करते हुए किया। अकादमी के उप चेयरमैन डॉ मूलाराम गहलोत, सचिव डॉ रजनीश हर्ष व कला शिविर संयोजक अमित हारित सहित अकादमी के सदस्यों ने कलाकारों का स्वागत किया। राजस्थान ललित कला अकादमी के चेयरमैन मूर्तिकार लक्ष्मण व्यास ने जानकारी देते हुए बताया सोमवार से राजस्थान राज्य के विभिन्न शहरों और गांव के 50 कलाकारो का चित्रकला शिविर शुरू हुआ है। इस युवा चित्रकार प्रोत्साहन कला शिविर में जयपुर सहित उदयपुर, अजमेर, अलवर, चितौड़गढ़, टोक, पाली, चूरू, बीकानेर, हनुमानगढ़, कोटा, बांसवाड़ा, झालावाड, किशनगढ़, वनस्थली, सीकर, जोधपुर, दौसा, सरदार शहर, राजगढ, बूंदी सवाईमाधोपुर आदि जगहों के कलाकारों शामिल हुए है। तीन दिन तक कलाकार अकादमी परिसर में रह कर लाइव पेंट करेंगे। इसमें कृष्ण कुंडारा, विजय कुमावत, सुरेन्द्र सिंह, दिलीप डामोर, राम खिलाड़ी सैनी, श्रीकृष्ण महर्षि, सुमन जोशी, अजय मिश्रा,

विकास मीणा, किर्ति सिंह, शिखा कुमारी, करुणा, अनुप्रिया राजावत, वर्षा झाला, दिव्या चौहान, ईरा टाक भाग ले रहे है। अकादमी के चेयरमैन लक्ष्मण व्यास ने बताया कि कला शिविर के आयोजन के पीछे मुख्य उदेश्य ऐसे कलाकारों को सामने लाना है, जो कि विगत वर्षों में हाशिये पर रहे हैं और श्रेष्ठ सृजन कार्य होने पर भी जिनकी प्रतिभा सामने नहीं आ पाई। इस शिविर में अधिकांश कलाकार युवा हैं और वे हैं जिन्हें अकादमी के किसी आर्ट कैम्प में भाग नहीं लिया है। कला शिविर के संयोजक अमित हारित ने बताया कि सभी कलाकारों की अपनी विशिष्ट शैली है, जिसे वे तीन दिवसीय कला शिविर में रूप प्रदान करेंगे। इन तीन दिनों में वरिष्ठ कलाकार तथा कला विशेषज्ञ, कला समीक्षक इन कलाकारों के कार्य पर वार्ता करेंगें।

जयपुर की सड़कों पर लड़कियां चलाएंगी ई-रिक्शा

फिक्की फ्लो और एसके फांउडेशन ने शुरू किया ट्रेनिंग प्रोग्राम, 30 दिन होगी ट्रेनिंग

जयपुर. कासं

लड़कियां हर फील्ड में अपना दमखम दिखा रही हैं। प्लेन उड़ाने से लेकर ट्रेन चलाने तक, टैक्सी - ऑटो चलाने में भी बेटियां आगे आ रही हैं। अपनी आजीविका के लिए अब जयपुर की सड़क पर लड़कियां रिक्शा चलाते हुए भी देखी जाएंगी। बेटियां बेटों से कम नहीं होती। परिवार को बेटे हीं नहीं बेटियां भी चला सकती हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए फिक्की फ्लो और एसके फाउंडेशन ने बेटियों को सशक्त बनाने उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के

उद्देश्य से एक अनूठे पहल की शुरूआत कि है। सोमवार को जयपुर के झोटवाड़ा में नेशनल एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी द्वारा ई रिक्शा ट्रेनिंग की शुरूआत की गई। जिसके फर्स्ट बैच में 17 गर्ल्स को 30 दिनों तक 90 घंटे की ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें इलेक्टिक व्हीकल के लिए गवर्नमेंट की स्कीम्स के जरिए लोन प्रोवाइड करवाए जाएंगे। इसके साथ हीं उन्हें संस्था द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य डॉक्यूमेंट बनाने में भी मदद मिलेगी। ट्रेनिंग करने वाली लड़कियों को आजीविका के लिए स्कूल, हॉस्पिटल फैक्ट्रीज से भी कनेक्ट करवाया जाएगा। अगले दो महीने में 30 और लेडीज को ट्रेनिंग दिए जाएंगे। कार्यक्रम में फिक्की फ्लो की पास्ट चेयरपर्सन स्वेता चोपड़ा और वेणी कक्कड़ के साथ निधि तोषनीवाल, श्रद्धा, शरद, शिवाली और शालिनी सेठिया मौजूद रही।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा हिमाचल प्रदेश के दर्शनीय स्थानों की यात्रा 13 से 22 जून तक

13 जून को सायंकाल 7.30 बजे जयपुर स्टेशन से होंगे रवाना, 29 यात्री जायेंगे यात्रा में

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा एक कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश के दर्शनीय स्थलों की 10 दिवसीय यात्रा का आयोजन 13 जून से 22 जून तक किया जा रहा है। सचिव अनिल निशा जैन ने बताया कि यात्रा में 29 यात्री 13 जून को साय 7.30 बजे जयपुर स्टेशन से ट्रेन से रवाना होकर 22 जून को प्रातः 6 .30 बजे वापस ट्रेन से जयपुर आएंगे। जयपुर से 13 जून को रात्रि में गरीब रथ ट्रेन से चंडीगढ़ तथा वहां से 14 जून से 21 जून तक टेंपो ट्रेवल से हिमाचल प्रदेश के स्फीति वैली के दर्शनीय स्थानो की यात्रा करवाई जायेगी। चंडीगढ़, नारकंडा, चहल, रक्ष्म, कलपा आदि स्थानों की यात्रा करते हुए कार्यक्रम सयोजक अनिल ज्योति जैन चौधरी के सयोजन मे 22 जून को वापस जयपुर पहुंचेगी। ग्रुप अध्यक्ष राकेश समता गोदिका ने बताया कि यात्रा में भोजन व्यवस्था के लिये जयपुर से ही कुक व कुकिंग से संबंधित सभी व्यवस्था साथ लेकर जाएंगे।

जे एस जी अरिहंत-फन कूल पार्टी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

11 जून 2023 रविवार फन फेयर वाटर पार्क मे गर्मी से राहत भरा शानदार पूल पार्टी का आयोजन राजकुमार पायल सोगानी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सचिव कमलेश मीनू चांदवाड ने बताया कि इस कार्यक्रम के संयोजक के रूप में जेएसजी एमराल्ड हाउस रहा इसके मुख्य संयोजक राजेश रुचि सेठी, राजकुमार रंजीता पापडीवाल, प्रतीक पूजा एवं उनकी पूरी टीम रही। संयोजित टीम द्वारा दंपत्ति सदस्यों एवं बच्चों के पूल के अंदर कई प्रकार के गेम कराए और विजेता दंपत्ति सदस्य एवं बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पूल पार्टी के पश्चात शाम को स्वादिष्ट भोजन का स्वाद लिया गया कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जेएसजी यूनिवर्स के फाउंडर प्रेसिडेंट दीक्षांत एवं अकांक्षा रहे। अरिहंत ग्रुप के फाउंडर प्रेसिडेंट राजीव अनिला पाटनी एवं इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट तरुण शिल्पा ने अतिथियों का दुपट्टा माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया और नए सदस्यों का भी स्वागत अरिहंत परिवार द्वारा किया गया। और कार्यक्रम के अंत में लकी ड्रा निकाला गया।

नवीन जी गोधा
विनीता जी गोधा

को विवाह वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं (13-6-2023)

शुभेच्छु: (चंचल देवी) (कमल-मधु) (राकेश-सरोज) (मनीष-नीरज) (नवीन-मीनाक्षी) (राहुल-मोनिका) (रोहित-कीर्ति) वैभव, अर्चित, विविधा, नेहल, आदित्य, कीर्तिका, हार्दिक, गहना, इशिता, दविश, मानवी, अनिका, दक्ष, दीक्षा, एवं समस्त बड़जात्या परिवार नसीराबाद

स्वर्ग से सुंदर ये धरती जहां जन्म लिया भगवान, मेरा भारत देश महान : स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज

श्रीमद् भागवत कथा सुनना परमात्मा की प्राप्ति का माध्यम, आरके आरसी व्यास माहेश्वरी भवन में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आगाज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । मनुष्य ही है जो भागवत कथा जैसा आयोजन कर सकता है। मानव शरीर से सुंदर कोई शरीर नहीं है। मानव जीवन में भी गृहस्थाश्रम सबसे उत्तम है लेकिन कलिकाल का प्रभाव इस पर भी हो रहा है। हमारे भारत देश ईश्वर का प्राक्टय स्थल होने से स्वर्ग से भी सुंदर एवं महान माना गया है। भारत की संस्कृति अनुपम है। दुनिया में भारत के अलावा कोई देश ऐसा नहीं होगा जहां हर दिन कोई उत्सव मनाया जाता हो। ये बात शहर के देवरिया बालाजी रोड स्थित आरके आरसी माहेश्वरी भवन में सोमवार सुबह काष्ट परिवार की ओर से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आगाज होने के अवसर पर पहले दिन व्यास पीठ से कथा वाचन करते हुए अलवर से आए स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज ने कही। महोत्सव का विधिवत आगाज सोमवार सुबह भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हो गया। उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा का महत्व समझाते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा सुनने से जीवन धन्य हो जाता है एवं यह परमात्मा की प्राप्ति का माध्यम है। भक्ति व श्रद्धा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण संसार के सर्वसुखों की प्राप्ति कराता है। परमात्मा से साक्षात कराने वाला श्रीमद् भागवत ग्रंथ मानव

जीवन जीने का संविधान भी है। महाराजश्री ने कहा कि चार अक्षर से ही मनुष्य नाम बना और इतने ही अक्षर का नाम परमात्मा का भी है। परमात्मा की प्राप्ति के साधन भागवत का नाम भी चार अक्षर का है। उन्होंने भागवत कथा के दौरान किए जाने वाले कीर्तन व नृत्य का महत्व बताते हुए कहा कि निद्रा दूर भगाने और प्रभु भक्ति में रमने के लिए कीर्तन किया जाता है। जो कीर्तन में नहीं नाचता है उसे माया दुनिया में नचाती है। उन्होंने कहा कि भगवान को खुश देखना चाहते है तो कभी अपने माता-पिता को मत रूलाना और दूसरों से ईर्ष्या मत करना। भगवान की भक्ति सब कष्टों का अंत कर देती है। श्रीमद् भागवत प्रभु का प्रसाद एवं साक्षात दर्शन है। पहले दिन कथा के अंत में व्यास पीठ की आरती करने वालों में विशिष्ठ अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय शर्मा, न्यायाधीश आशीष बिजरानिया, राकेश कटारा, सुशील कुमार शर्मा,सुषमा शर्मा, वरुण तलवार, बॉर कौसिंल ऑफ इंडिया के को-चैयरमेन सुरेश श्रीमाली, एडवोकेट राजेन्द्र कचोलिया आदि शामिल थे। अतिथियों का स्वागत काष्ट परिवार के कैलाशचंद्र काष्ट, कमल काष्ट आदि सदस्यों ने किया। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक होगा। कथा के दूसरे दिन 13 जून को कपिल भगवान चरित्र एवं ध्रुव चरित्र प्रसंग का वाचन होगा।

कलश शोभायात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आगाज

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव एवं श्री शिव महापुराण कथामृत महोत्सव का विधिवत आगाज सोमवार सुबह भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हो गया। शहर के काष्ट परिवार की ओर से आयोजित होने वाले इस ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आगाज सोमवार को सुबह 8 बजे कलश शोभायात्रा, देवपूजन एवं कलश स्थापना के साथ हुआ। कलश शोभायात्रा विजयसिंह पथिकनगर स्थित श्री चारभुजानाथ मंदिर से कथा स्थल आरके आरसी माहेश्वरी भवन तक निकाली गई। शोभायात्रा में श्रीमद् भागवत कथा का वाचन करने वाले स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज एवं महाशिवपुराण कथा करने जा रहे भागवत भक्त पं. गौरीशंकर शास्त्री महाराज भी शामिल हुए। शोभायात्रा में श्रीमद् भागवत कथा की पौथी कैलाशचन्द्र काष्ट ने एवं महाशिवपुराण की पौथी एडवोकेट कमल काष्ट ने अपने सिर पर धारण कर रखी थी।

संत विजय नाथजी के कर कमलों से शिव मंदिर की आधारशिला रखी गई

सीकर. शाबाश इंडिया

कुदन दादुराम सत्यराम जयराम दास बाबा जी की बगीची में सोमवार को आश्रम के प्रांगण में शिव मंदिर की आधारशिला रखी गई। जिसमें पंडितों द्वारा विधि विधान से पूजा पाठ करके आधार शिला संत महात्मा के सानिध्य में रखी गई। इस कार्यक्रम में अनेक संत विजय नाथजी संत राजु दासजी संत प्रकाश दास जी संत केसर दास जी तथा कुदन सरपंच प्रतिनिधि सुलतान सुंडा पुर्व विधायक फतेहपुर नंदकिशोर महरिया पुर्व सरपंच देवी दत्त फदनपुरा ग्रामीण जन व फदनपुरा देवास के सैकड़ों की संख्या में गांवों से आये हुए ग्रामीण जन उपस्थित रहे। आश्रम के संत प्रकाश दास जी महाराज ने बताया कि इस मंदिर के निर्माण में सभी का सहयोग रहेगा।

श्री शान्तिनाथ विधान एवं वास्तु विधान सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। धर्म का अर्थ कभी भी सम्प्रदाय नहीं हो सकता,धर्म का अर्थ तो सदाचार और आत्मा का शुद्ध रुप है।अहिंसा ,सत्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह और भगवान की भक्ति,पूजा, गुणगान यही तो धर्म है। देवसेन आचार्य भगवन्त कहते हैं कि

एह धम्मु जो आयरई,बभुन सुदाय कोई।
जो सावहु किं सावयहं अण्णु किं सिरिमणि होई।।

इस धर्म का जो भी आचरण कर पालन करता है वह चाहे कोई भी हो, वही श्रावक होता है। इसी रूप में धर्म के प्रति आस्था रखते हुए अपने गृह निवास में गृह शुद्धि हेतु शांतिनाथ महामंडल विधान एवं वास्तु विधान हेतु अतुल कुमार जो कि भारत संचार निगम लिमिटेड में अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं जो दिगंबर जैन नहीं है उन्होंने विधानाचार्य को सारी अनुष्ठानिक क्रियाओं को संपन्न कराने हेतु आमंत्रित किया तथा वहां पर विधानाचार्य रमेश गंगवाल ने पूर्ण विधि विधान के साथ पूजा विधान, गृह शुद्धि, हवन आदि मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न करायी। अतुल एवं उनके परिजनों ने पूर्ण भक्ति भाव से विनय एवं श्रद्धा के साथ समस्त मांगलिक क्रियाओं को सम्पन्न किया।

वेद ज्ञान

लोक-कल्याण के बारे में सोचें

इंसान समाज में रहता है। इसलिए समाज ने उसके कुछ दायित्व भी तय किए हैं। मनुष्य को कभी भी यह नहीं भूलना चाहिए कि उसका अस्तित्व समाज से है, समाज का उससे नहीं। जो मनुष्य समाज से अलग-थलग चलते हैं उन्हें जीवनभर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जबकि जो व्यक्ति समाज के साथ चलते हैं उनकी बड़ी समस्या भी मिनटों में हल हो जाती है। इसका कारण यही है कि सामाजिक होने के कारण ही प्रत्येक व्यक्ति हमारी समस्या या चिंता का निदान खोजने की कोशिश करता है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जनहित और लोक-कल्याण के बारे में सोचे। जब हम दूसरों के बारे में सोचकर कर्म करते हैं तो हमें इसका दोहरा लाभ मिलता है। हमें आत्मसंतुष्टि का अहसास होता है, जबकि ऐसा करके हम अपने भविष्य के कष्टों को भी कम करते हैं। हमारे जनहित के कार्य से जितने भी लोग प्रभावित-लाभान्वित होते हैं वे बदले में हमें प्यार, स्नेह, आशीर्वाद और दुआ देते हैं जिससे हमारे कष्ट अप्रभावी हो जाते हैं या फिर हममें उन्हें सहने की असीम ताकत आ जाती है। इसी तरह यदि हमसे भूतकाल में जाने-अनजाने कोई पाप या गलत कार्य हो गया हो तो भी जनहित से जुड़े कार्य करके मनुष्य पश्चाताप या मुक्ति प्राप्त कर सकता है। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि यदि किसी मनुष्य ने अपने जीवन का तीन चौथाई हिस्सा गलत कार्यों में खर्च कर दिया है तो भी वह शेष बचे समय में सद्कर्म या जनहित के कार्य करके पश्चाताप कर सकता है। अर्थात अंत भला तो सब भला। जिस बात से मनुष्य अनजान है वह यह है कि जनहित के कार्य करने के लिए मनुष्य को केवल एक छोटा-सा प्रयास करना होता है। इसके बाद बड़े से बड़ा काम भी बहुत आसानी से हो जाता है। उदाहरण के लिए यहां पंडित मदन मोहन मालवीय का जिक्र किया जा सकता है जिन्होंने दान के पैसे से काशी जैसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालय का निर्माण कराया। ऐसे बहुत से उदाहरण हमारे आसपास मौजूद हैं। कहने का सार यही है कि दुख-दर्द सभी के जीवन में हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने दुखों को ही सबसे बड़ा और जटिल मान लेता है उससे जनहित के कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

संपादकीय

विपक्षी एकता की पटकथा...

बिहार में विपक्षी एकता की पटकथा लिखी जा रही है, 23 जून को सभी बड़े विपक्षी दलों की अहम बैठक होने वाली है। सीएम नीतीश कुमार के कहने पर ही इस बैठक का आयोजन किया जा रहा है, इसके जरिए 2024 के चुनाव को लेकर बड़ा संदेश दिया जाएगा। अब कयास ये लगने लगे हैं कि नीतीश कुमार भी पीएम बनने के सपने देख रहे हैं, विपक्ष को एकजुट कर वे अपनी दावेदारी को मजबूत करन चाहते हैं। अब इन अटकलों को और बल मिल पाता, उससे पहले ही जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह ने बड़ा बयान दे दिया है। उनकी तरफ से जोर देकर कहा गया है कि नीतीश कुमार कोई पीएम उम्मीदवार नहीं हैं. ललन सिंह ने कहा कि मैं जेडीयू कार्यकताओं से अपील करता हूं कि नीतीश की पीएम दावेदारी को लेकर नारेबाजी ना की जाए। इससे विपक्षी एकता पर असर पड़ता है। नीतीश तो विपक्ष को एकजुट करने का काम कर रहे हैं, भाजपा मुक्त भारत बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। ललन सिंह ने इस बात का भी जिक्र किया कि जिस तरह से अभी चुनाव से पहले विपक्षी दलों की बैठक हो रही है, बाद में जब जीत दर्ज होगी, तब फिर ऐसे ही विपक्षी दल इकट्ठा होंगे और अपने नेता का चयन करेंगे। अब ललन सिंह के बयान से साफ है कि चुनाव से पहले किसी को भी पीएम फेस नहीं दिखाने पर जोर दिया जा रहा है, ऐसा कर पूरे विपक्ष को एकजुट करने का काम हो रहा है। जानकारी के लिए बता दें कि पटना में 23 जून को विपक्षी दलों की बड़ी बैठक होने वाली है। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल जैसे कई बड़े नेता मौजूद रहने वाले हैं। ये विपक्षी एकता की पहली औपचारिक बड़ी बैठक मानी जा रही है जिसमें 2024 की रणनीति पर काम किया जाएगा। एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए जीतन राम मांझी ने कहा है कि अभी उन्हें बैठक का कोई बुलावा नहीं आया। अगर बुलाया गया तो ठीक, नहीं बुलाया गया तो भी बड़ी बात नहीं। हम नीतीश कुमार के साथ पूरी मजबूती के साथ खड़े हैं। अब इस बयान को समझना जरूरी हो जाता है। मांझी तो नीतीश के साथ खड़े होने की बात कर रहे हैं, उन्हें पीएम मेटेरियल भी बता चुके हैं। लेकिन क्या नीतीश भी ऐसा ही सोचते हैं? क्या नीतीश कुमार को मांझी पर पूरा भरोसा है? इन सवालों को लेकर असमंजस का माहौल है और इसके अपने कारण भी हैं। जीतन राम मांझी का 40 साल से ज्यादा लंबा पॉलिटिकल करियर है, पांच बार तो वे सिर्फ पार्टियां बदल चुके हैं। कांग्रेस में रहे हैं, लालू की आरजेडी के साथ काम किया है, जेडीयू के साथ भी लंबा समय बिता चुके हैं और इस समय अपनी खुद की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा की अगुवाई करते हैं। यानी कि मांझी को लेकर कहा जा सकता है कि वे राजनीति के मामले में अनप्रिडिक्टेबल हैं और समय-समय पर सियासी माहौल भापकर पाला बदलते रहते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

चौथी पास राजा!

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रामलीला मैदान से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोला। मुद्दा था दिल्ली में लाया गया अध्यादेश, लेकिन हमला कर दिया गया कि पीएम की डिग्री को लेकर। अरविंद केजरीवाल ने अपने भाषण में कई मौकों पर पीएम के लिए चौथी पास राजा का इस्तेमाल किया। अब राजनेता हैं, विरोधी भी हैं, ऐसे में हमले आम बात हैं, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने जिस तरह से सियासी वार की बौछार की है, ये कुछ अलग है, एक बड़ी रणनीति का हिस्सा लगता है। अरविंद केजरीवाल की राजनीति में एक समय ऐसा आया था जब वे पीएम नरेंद्र मोदी पर निजी हमले करने से बचते थे। वे बीजेपी पर वार करते थे, लेकिन सीधे-सीधे पीएम मोदी को कुछ नहीं कहते थे। 2014 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद 2019 के चुनाव में जिस तरह से दिल्ली में आप का सफाया हुआ था, केजरीवाल समझ गए थे कि मोदी पर निजी वार करना जनता को ज्यादा रास नहीं आता। लेकिन अब जब 2024 के लोकसभा चुनाव का शंखनाद होने जा रहा है, अरविंद केजरीवाल अपने पुराने अंदाज में वापस आ गए हैं। ये अंदाज है सीधे पीएम मोदी से टक्कर लेने वाला, ये अंदाज है खुद को मोदी के खिलाफ सबसे बड़ा चेहरा बताने का। इस समय विपक्ष के सामने सबसे बड़ा सवाल ये चल रहा है कि 2024 की लड़ाई में पीएम मोदी का मुकाबला कौन करेगा। ये सवाल ही पिछले 9 सालों से बीजेपी के लिए संजीवनी बना हुआ है क्योंकि विपक्ष के पास चेहरों की कमी है और इसका सीधा फायदा देश की सबसे बड़ी पार्टी को पहुंचता है। लेकिन उसी स्पेस को भरने की कोशिश कई नेता कर रहे हैं। जब पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने बीजेपी के विजयी रथ को रोक दिया था, तो कहा गया कि पीएम मोदी के सामने ममता बनर्जी एक मजबूत चेहरा साबित हो सकती हैं। वे क्योंकि पीएम पर भी लगातार हमलावर रहीं, उनकी नीतियों का विरोध करती रहीं, ऐसे में विपक्ष के लिए भी कद्दावर नेता साबित हुईं। लेकिन फिर उनकी पार्टी के कई नेताओं पर ईडी की रेड पड़ी, नोटों के पहाड़ सामने आने लगे, छवि कुछ धूमिल हुई और सियासी गेम कमजोर पड़ गया। बाद में कुछ समय के लिए नीतीश कुमार का नाम भी रेस में सामने आया, लेकिन अब अरविंद केजरीवाल ने गेयर बदल लिए हैं। पिछले कुछ समय से वे लगातार सुर्खियों में चल रहे हैं। पहले मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी ने उन्हें विपक्ष को एकजुट करने का मौका दिया, इसके बाद अब इस अध्यादेश विवाद ने भी उन्हें पूरी तरह लाइमलाइट में ला दिया है। अब इस लाइमलाइट का इस्तेमाल अरविंद केजरीवाल बखूबी तरह से कर रहे हैं। उनके हमले पीएम मोदी पर हैं, बड़े बयान दे रहे हैं और इस अंदाज में बोल रहे हैं कि बीजेपी को मिर्ची लगना लाजिमी है। रामलीला मैदान से उन्होंने पीएम मोदी को लेकर एक कहानी सुना दी। नाम तो नहीं लिया लेकिन कह गए कि चौथी पास सम्राट देश का बेड़ा गर्क कर रहा है। नोटबंदी से लेकर किसान कानून तक का भी जिक्र कर दिया। यहां ये समझना जरूरी है कि जब कोई नेता लोकप्रिय हो जाता है, तब उस पर सीधा हमला करना सियासी नुकसान दे सकता है। ऐसा 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और फिर 2022 के गुजरात चुनाव में साफ दिख चुका है।

जेएसजी गोल्ड का प्रोग्राम ठंडा ठंडा-कूल कूल आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप गोल्ड की ओर से आयोजित प्रोग्राम, ठंडा ठंडा कूल कूल में सदस्यों ने इस गर्मी में जगतपुरा स्थित मौजा री ढाणी में पानी के बहुत सारे गेम्स में खूब एंजॉय किया, साथ ही दोपहर से शाम तक में नाश्ता चाय का रसस्वादन किया। जानकारी देते हुए गोल्ड के अध्यक्ष सुरेंद्र रूपल पाटनी और संस्थापक अध्यक्ष राकेश नीलू गोधा ने बताया कि देर शाम तक सदस्यगण खूब डांस मस्ती और स्विमिंग पूल में एंजॉय करते रहे। शुरूआत में गोल्ड के सचिव विनीत रश्मि चांदवाड़, कोषाध्यक्ष भरत प्रतिभा जैन और सह सचिव रोहित कविता जैन ने सभी की रजिस्ट्रेशन एंट्री करते हुए स्वागत सत्कार किया। सदस्यों ने शाम के बाद में खाने का और साथ ही जादू का खेल, झूले, व चोखी ढाणी की जैसे वाले आइटम गेम्स का लुत्फ लिया। कार्यक्रम में दोपहर से रात तक सदस्यों को खूब आनंद आया। आयोजन में सयोजक वाणी शीला पाटनी, दिनेश सरिता गोधा और वरुण सोनिया चांदवाड़ ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

वैशाली नगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ मनाया मंत्री कटारिया का जन्मदिन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान सरकार में कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया का जन्मदिन आज वैशाली नगर कांग्रेस कार्यकर्ता जनसेवा कार्यों के साथ उत्साह पूर्वक मनाया गया। उनके जन्मदिन के अवसर पर आज वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता जेके जैन कालाडेरा, वार्ड 52 अध्यक्ष नीरज नाटाणी, वैशाली नगर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष मोहित जैन, मंडल सदस्य पूनम चंद जैन एवं एसके मित्तल इत्यादि ने आज अनेक ई-रिक्शा को रवाना कर राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया। क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों के लिए मंत्री कटारिया को बधाई देते हुए उनके सुदीर्घ जीवन और उज्जवल भविष्य की कामना की।

सेवानिवृत्त बैंक कर्मियों का शहीद स्मारक पर धरना

पेंशन संशोधन व अन्य मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन। 200 से अधिक सेवानिवृत्त कर्मियों ने धरने में शिरकत की

जयपुर. शाबाश इंडिया। ऑल इंडिया बैंक पेंशनर्स एवं रिटायरीज कनफेडरेशन से संबंधित सेवानिवृत्त बैंक कर्मियों द्वारा वित्त मंत्रालय भारत सरकार एवं इंडियन बैंक्स एसोसिएशन द्वारा उनकी मांगों के प्रति अपनाए जाने वाले उदासीन रवैए को लेकर गवर्नमेंट हॉस्टल शहीद स्मारक पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया ।जिसमें 200 से अधिक सेवानिवृत्त बैंक कर्मियों ने इतनी तेज गर्मी को सहन करते हुए भी भाग लिया । इस अवसर पर एआईबीपीएआरसी की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष एनके पारीक ने बताया कि सेवानिवृत्त बैंककर्मियों की पेंशन का काफी लंबे समय से नहीं बढ़ाई जा रही है जबकि पेंशन रेगुलेशन में इसका प्रावधान है । सेवानिवृत्त बैंक कर्मियों को डी. ए .का पूरा लाभ नहीं दिया जा रहा ,कर्मचारियों को हेल्थ इंश्योरेंस हेतु भारी प्रीमियम भरना पड़ रहा है , सरकार और बैंक इसके लिए कोई पुनर्भरण नहीं कर रहे हैं । धरना प्रदर्शन सभा को संगठन के विभिन्न बैंकों से आए पदाधिकारी के सी आर सेपट आलोक चतुर्वेदी वी पी शर्मा विजय कुमार गर्ग डी एस कोहली एवं अन्य पदाधिकारियों ने सभा को संबोधित किया तथा अपनी माँगो के लिए जोरदार नारे लगाये । सभी ने माँगे पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही ।

शाहगढ़ क्षेत्र से दो डिप्टी कलेक्टर, एक जीएसटी कमिश्नर अधिकारी, एक जिला शिक्षा अधिकारी चयनित

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। जिस घर में कोई पीएससी परीक्षा पास कर ले तो परिवार और रिश्तेदारों की खुशी का ठिकाना नहीं रहता है,सागर जिले की तहसील शाहगढ़ की आर्यिका मां गुणमति अदावन परिवार में एक नहीं बल्कि दो परीक्षार्थियों ने पीएससी पास कर ली, बहिन का चयन डिप्टी कलेक्टर तो भाई का चयन जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर हुआ है, दोनों आपस में सगे भाई-बहन हैं, भाई बहन दोनो ने पहली ही कोशिश में ये सफलता हासिल की, इस परीक्षा में भाई सिद्धार्थ जैन जिला शिक्षा अधिकारी पद पर चयनित हुए जबकि बहन समीक्षा 15 वीं रैंक हासिल कर डिप्टी कलेक्टर पद पर सफल हुई खास बात है कि ग्रामीण इलाके से ताल्लुकात रखने वाले समीक्षा और सिद्धार्थ ने नागपुर , जबलपुर, इंदौर में पढ़ाई की बगैर किसी कोचिंग के सेल्फ स्टडी के जरिए मुकाम हासिल किया, समीक्षा और सिद्धार्थ की माता-पिता शाहगढ़ में रहते हैं और एक कपड़े की दुकान चलाते हैं। पिता संजय अदावन का कहना है कि उन्होंने अपने बच्चों के लिए जो सपना देखा था वह आज पूरा हुआ है, जबकि मां अनिता जैन कहती हैं कि उनकी दो बेटियां हैं और एक बेटा है, उन्होंने बेटी और बेटे में कभी कोई फर्क नहीं किया और लगातार पढ़ाई के लिए मोटिवेट करती रहती थी, जिसके चलते आज बच्चों ने जिले और क्षेत्र का नाम रोशन किया है, वहीं पीएससी में 15 वीं रैंक हासिल कर डिप्टी कलेक्टर बनी समीक्षा जैन का कहना है कि अपने क्षेत्र की लड़कियों के लिए एक उदाहरण पेश करना चाहती हैं कि बच्चियां पढ़ाई करें और उनकी तरह बनें,उन्होंने कहा है कि डिप्टी कलेक्टर बनने के बाद भी उनका लक्ष्य होगा कि सरकारी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन हो और खास तौर पर बालिकाओं की शिक्षा के लिए आगे काम करेंगी, वहीं पीएससी में चयनित भाई सिद्धार्थ जैन का कहना है कि जिला शिक्षा अधिकारी पद पर चयनित होने के बाद वे सरकार की सब पढ़े सब बड़े , शिक्षा से जुड़ी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वित करेंगे और गरीबों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे यह सुनिश्चित कराएंगे, पीएससी में चयनित समीक्षा ने नवोदय विद्यालय खुरई से इंटर की परीक्षा पास करने के बाद सागर से फामेर्सी पूरी की तभी उन्होंने डिप्टी कलेक्टर बनने का लक्ष्य बना लिया था कड़ी मेहनत और लगन से उन्होंने यह कामयाबी हासिल की।

वीर अजय बरड़िया सहित अन्य पदाधिकारियों ने एम आई साउथ-वेस्ट की ली शपथ

सूरत. शाबाश इंडिया

महावीर इन्टरनेशनल का शपथ ग्रहण कार्यक्रम रविवार 11 जून 2023 को शाम होटल द ग्रांड सर्वोत्तम में आयोजित हुआ। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रार्थना का संगान वीरा डॉ पूनम गुजरानी आदि विराओं ने किया। स्वागत भाषण निवर्तमान चेयरमैन वीर सुशील लूणिया ने दिया। नव मनोनीत टीम में चेयरमैन वीर अजय बरड़िया, सेक्रेटरी वीर नरेश अब्बानी व कोषाध्यक्ष वीर विजय बुरड़ सहित पदाधिकारियों को शपथ अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर गणपत भंसाली ने दिलाई। इस अवसर पर उधना के नगर पार्षद डॉ बलवंत पटेल, महावीर इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय डायरेक्टर वीर सुरेन्द्र मरोठी, गवर्निंग काउंसिल सदस्य वीर सन्तोक नाहर, वीर रमेश वोहरा, डिप्टी डायरेक्टर वीरा डॉ अनामिका तलेसरा, जोन सेक्रेटरी वीर भरत संघवी, सूरत मुख्य शाखा के चेयरमैन वीर अनिल बरड़िया, सेक्रेटरी वीर हस्ती मल बांठिया, मॉडल टाउन शाखा के चेयरमैन वीर गणपत वी भंसाली, वीरा अभिलाषा की चेयरपर्सन वीरा सरिता कुकड़ा सेक्रेटरी वीरा बरखा कोठारी आदि वीर विराओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने अपने उदगार प्रकट करते हुए वीर वीराओं से ज्यादा से ज्यादा नई शाखाएं प्रारम्भ करने व सदस्य संख्या में इजाफा करने का निवेदन किया। उन्होंने बताया कि साउथ-वेस्ट शाखा के तीन वीर जोन कन्वीनर व जोन कोर्डिंडड के रूप मस जुड़े हुए हैं। नव मनोनीत चेयरमेन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि शिघ्र ही मनपा संचालित एक आंगनवाड़ी का संचालन संगठन द्वारा किया जाएगा। व आगामी अन्य सेवा प्रकल्पों के बारे ने रूपरेखा बताई। इस अवसर पर श्री गुलाब चंद बरड़िया आदि वरिष्ठजन मौजूद रहे। आभार सेक्रेटरी वीर नरेश अब्बानी ने प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन वीर रणजीत तातेड़ ने किया व राष्ट्रगान के पश्चात कार्यक्रम सम्पन्न हो गया।

घोड़ाघाटी श्री मदन पथिक विहारधाम पर सुकन महाराज का हुआ अभिनन्दन

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

नाथद्वारा। संतो मे संत रत्न थे मदन मुनि जी महाराज सोमवार को प्रवर्तक सुकन महाराज युवाप्रणेता महेशमुनि बालयोगी अखिलेश मुनि के नाथद्वारा से श्री मदन पथिक विहारधाम घोड़ा घाटी पर मेवाड़ प्रवर्तक मदन मुनि महाराज की समाधी पर श्रध्दा भाव व्यक्त करते हुये । सुकन महाराज ने कहा कि व्यक्ति जन्म से महान नही बनता है अपने कर्मो के द्वारा महान बनता है । युवा अवस्था मे गुरू अम्बेश के संदेश से संयम धर्म अंग्रीकार करके मेवाड़ मे गुरूभात्ता सौभाग्य मुनि जी महाराज के साथ सम्पूर्ण मेवाड़ मे धर्म से प्रभावित करके प्राणीयों को अंहिसा के संदेश देकर धर्म की अलख जगाई इस युग मे ऐसे सरल आत्ममार्थी संत रत्न का होना मुश्किल है। उनके बताये मार्ग पर चलेंगे तभी व्यक्ति अपने जीवन का उत्थान कर पायेगा । प्रवक्ता सुनिल चपलोत जानकारी बताया की श्री मदन पथिक विहार धामपर गुरूभगवंतो के पधारने पर संस्थान के अध्यक्ष मांगीलाल लोढ़ा महामंत्री लक्ष्मीलाल वडाला,दिलीप लोढ़ा,लक्ष्मीलाल डाकलिया आदि पदाधिकारियों अगवानी करते हुये संतो का विहारधाम पर अभिनन्दन किया। उदयपुर भीलवाड़ा,चितौड़गढ़,मुम्बई, सुरत आदि क्षैत्रो के श्रध्दालूओ ने संतो से दर्शन मंगलपाठ के साथ आशीर्वाद प्राप्त किये ।

कहानी : कार्यकर्ता

अभिषेक कमरे में आया और बोला मां मेरे जूते छोटे हो गए हैं और चप्पल भी टूट गई है। नई ला दो ना, तभी रानी भी आ गई अपनी टूटी चप्पल हाथ में लिए और बोली मां मेरी भी चप्पल टूट गई है। मां, हां ठीक है चलो बाजार तुम दोनों को नए जूते दिला लाती हूं और चप्पल भी तभी रानी बोली, हां चप्पलें भी पर चप्पल तो नई है सिर्फ इसकी डसे टूटी है। वो तो नुक्कड़ की दुकान पर नई डलवा लेंगे देखना चप्पल फिर से नई हो जाएगी। अच्छा ,अभिषेक बोला हां चलो बाजार। आशा ने अभिषेक और रानी को नए जूते दिलवाकर खुद नुक्कड़ की दुकान पर रुक गई । और बच्चों को पैदल ही घर जाने के लिए कह दिया, बच्चों तुम चलो मैं आती हूं। अभी अभी ही दुकान खोली है क्या? भैया, हां बहनजी बताओ आपका क्या काम है। इन चप्पलों में नई डसे लगा दीजिए। लाओ अभी लगा देता हूं। तब तक बहनजी आप यहां बैठिए। ठीक है, अभी चप्पलों में से पुरानी टूटी हुई डसे निकाल ही रहे थे कि तभी सफेद कुर्ते पजामे पहना हुआ एक लंबी कदकाठी का आदमी वहां आया और बोला भाई जरा जल्दी है इन जूतों को देखना तो, अभी बीते सप्ताह ही खरीदें थे । लगता

मध्यम वर्ग वालो को भी अगल बगल वाले पद मिल जाते हैं। हम ठहरे निम्न वर्ग वाले कार्यकर्ता,हम हमारे स्वयं के कार्य के लिए सुबह सुबह इनके दरवाजे पर अपनी और अपनों की गुहार व फरियाद लेकर लंबी-लंबी लाइन लगाकर खड़े रहते हैं,फिर भी हमारे कुछ ही काम होते हैं बाकी के काम ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। हम तो खूंटे से बंधी वो दुधारू गाय है जो समय आने पर दूहे ली जाती है। अच्छा तो भैया आप भी दूसरी पार्टी में चले जाए । अरे नहीं बहनजी उधर भी निम्न वर्ग वालों का यही हाल है। यहां हम कम से कम सिद्धांत वादी तो बने रहेंगे। वैसे भी इमारतों की भव्यता देखी जाती है नींव को कौन पूछता है।

है इनके शॉल खुल गए हैं। दुकानदार ने उस आदमी को एक बारीकी से देखा और बोला बाबूजी आजकल सफेद जूते कौन पहनता है । अरे भाई इतना समय नहीं है तुम देखो कुछ हो सकता है क्या? दुकानदार ने कहा घंटे दो घंटे चलाना है तो में इनका काम चला सकता हूं। पर आपको आधा घंटा बैठना पड़ेगा। अरे आधा घंटा तो बहुत ज्यादा समय है । दुकानदार सो तो है पर इन बहनजी की चप्पलो में दस मिनट तो लगेंगे फिर आपके जूतों का नंबर आएगा। उस आदमी ने बहनजी की और देखा और मानो आंखों से ही कह रहा हों तुम अपना काम बाद में करवा लेना अभी मुझे जल्दी है। पर बहनजी तो उसके जूतों का निरीक्षण अपनी आंखों की दृष्टि पटल कैमरे में ले रही थी। उन्हें कहां फुरसत थी किसी से आंखें मिलाने की। दुकानदार बोला लगता है साहब किसी रैली में जा रहे हो। साहब बोले हां ,दुकानदार कौनसी पार्टी की रैली है साहब,साहब बोले रुजागो और जगाओ पार्टीर दुकानदार अच्छा आप उस पार्टी में क्या करते है । मैंने आपको पहले कभी इधर नहीं देखा। देखोगे कैसे भाई मैं यहां आता ही नहीं। यह तो आज ऊपर से आदेश आया है कि आपको इस जगह से पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होना है। नहीं तो मैं तुम्हारे पास इन जूतों को थोड़ी ठीक करवाता, घर से नए नही मंगवा लेता। मैं उस पार्टी का कार्यकर्ता हूं। मैं चाहूं तो तुम्हारी इस छोटी सी दुकान को रातों-रात प्रसिद्ध कर सकता हूं और चांहू तो इसे भव्य शोरूम में बदल सकता हूं। मेरी बात सीधे ऊपर तक होती है। बहनजी तपाक से बोल पड़ी, आपकी पहुंच यमलोक तक भी है क्या। अरे नहीं मोहतरमा ऊपर तक से मतलब पार्टी के बड़े नेताओं की बात है। दुकानदार अच्छा लो बहनजी आप की चप्पल नई हो गई। अगले छः महीने तक कहीं नहीं जाएगी। लाओ साहब आपके जूतों का जुगाड़ करते हैं। तभी बहनजी बोली यह क्या भैया लाल चप्पल पर आपने पीली डसे लगा दी। आपको तो पता है यह चप्पल हमारे घर के लाड़ साहब की है। इन चप्पलों को तो वह पहनेगा नहीं उल्टा मुझे ही रंगों के बारे में विस्तार से बताने लगेगा। किस रंग के साथ कौन सा रंग फवता है। अरे क्या बहनजी आजकल तो अतरंगी रंगों का जमाना है पर आप थोड़ा इंतजार करो अभी लाल चप्पल में लाल डस ही लगा देता हूं। पहले इन साहब के जूतों को देख लूं अगर आपको ऐतराज नहीं हो तो तभी तपाक से कार्यकर्ता साहब बोल पड़े। मोहतरमा मुझे थोड़ी जल्दी है जरा देख लीजिए ना , ठीक है भैया इनके जूतों को ठीक कर दीजिए। दुकानदार बोला साहब राजनीति में जूते घीसा करते हैं आपके तो जूतों के शॉल ही खुल गए। हां तुम्हारी बात तो ठीक है लगता है दुकानदार ने बरसों पुराना माल सेल में देकर बेचा है। दुकानदार अच्छा तो आपने सेल से जूते खरीदे है। हां सोचा ऊपर से नीचे तक सफेद रहूंगा तो थोड़ा ठीक लगेगा क्या पता कब कौन वायरल हो जाए (प्रसिद्ध हो जाएं) आजकल वायरल का जमाना चल रहा है । अच्छा है, फिर दुकानदार बोला आप इस पार्टी से कब से जुड़े है साहब, कितने वर्षों का अनुभव है आपको, अनुभव को छोड़िए बस दूसरी पार्टी में जरा अहमियत कम मिल रही थी। तभी मेरे एक साथी ने बताया कि यह पार्टी सिद्धांतों पर चलती है आजकल दूसरी पार्टी के लोगों को तोड़ने का काम कर रही है और दल बदलूओ को ऊंचा स्थान दे रही है। तो सोचा मैं भी बहती गंगा में हाथ धो लेता हूं । दुकानदार अच्छा तो आप पहले जिस पार्टी में थे उसमें आपको सम्मान नहीं मिलता था क्या, ऐसी बात नहीं है हमारे बाप दादा उस पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता रहे है पर उन्हें आज तक कोई स्थान नहीं मिला तो मेरे बेटा बोला पापा आपको भी दादाजी की तरह ही रहना है या कुछ नाम भी कमाना है। तो मैं उस पुरानी पार्टी को छोड़ इस पार्टी में आ गया हूं। दुकानदार बोला अच्छा तो आपको इस पार्टी में स्थान मिला क्या ? साहब कल ही बात हुई है आने वाले चुनावों में मुझे श्रेष्ठ स्थान देंगे आखिर में पुरानी पार्टी का कर्मठ कार्यकर्ता जो हूं। अरे मुझे तो स्थान देना ही पड़ेगा। दुकानदार लो साहब आपके जूते ठीक कर दिए है । पर ज्यादा पैदल मत चलना इन जूतों की गारंटी नहीं है। कभी भी दल बदल सकते हैं सिर्फ चलते हुए का नाटक करना और पांच या दस तस्वीर खींच लेना बाकी आपका काम एकदम टनाटन कर दिया है ।साहब कितने पैसे हुए दुकानदार दो सो रुपए साहब दो सो रुपए, दो सो रुपए और मिला लेता तो नए ही आ जाते। दुकानदार साहब थे तो ये भी नए ही आप बड़े कार्यकर्ता है रातों-रात मेरी इस छोटी सी दुकान की कायापलट सकते हैं फिर दो सो रुपए आपके लिए क्या मायने रखते है। ठीक है यह लो चलता हूं। जी लाओ बहन जी आपके लाल की लाल चप्पलो में लाल डस लगा देता हूं। आपको तो पता है ना भैया आजकल के बच्चे हैं किसी की सुनते नहीं है। दुकानदार देखता हूं संदूक में लाल रंग की डस है क्या दुकानदार ने संदूक खोला तो उसके ऊपरी ढक्कन पर उस पार्टी की सबसे दिग्गज नेता की

तस्वीर लगी हुई थी। यह क्या भैया आप भी उसी पार्टी के समर्थक है क्या दुकानदार जी बहनजी जी हमारी तो सात पीढ़ी इस पार्टी की अनुयायी रही है और मैं भी। वैसे तो में भी इस पार्टी का कार्यकर्ता हूं पर नेपथ्य के पीछे, ऐसा क्यों भैया जी,अरे बहनजी में ठहरा छोटी सी दुकान चलाने वाला। चंदा देने के लिए मेरे पास कहां करोड़ों रुपए है जो मैं ऊंचे पद पर जा सकूं बस ईमानदारी से पार्टी के सिद्धांतों को मानता हूं और अगर गलती से किसी को कह दिया कि मैं इस पार्टी का समर्थक हूं तो यह दुकान शोरूम तो बाद मे बनेगी पर बंद जरूर हो जाएगी। इसलिए चुप चाप से काम करता हूं। अच्छा ये कार्यकर्ताओ का भी वर्ग होता है क्या? भैया, जी बहनजी तीन तरह के कार्यकर्ता होते है। श्रेष्ठ,मध्य ओर निम्न,फर्क क्या है इनमें भैया, दुकानदार ने कहा की श्रेष्ठ वह जो इन पार्टियों को चलाते हैं जिसकी कमान इनके हाथों में होती है ये कुछ भी उथल पुथल चंद मिनटों में कर सकते हैं। ये ही पार्टियों के सिद्धांत बनाते हैं और इनके आदेशो को कोई नहीं टाल सकता। और मध्य वर्ग वाले क्या करते हैं भैया, बहन जी मध्य वर्ग वाले बिचोलिया का काम करते हैं। इधर की बात उधर करते हैं और कभी-कभी यह लालच में आकर पार्टी की दिशा और दशा दोनो बदल देते हैं। और सबसे मजबूत निम्न वर्ग है जो सही मायने में पार्टी की रीड की हड्डी होते हैं। सिद्धांतों को अमलीजामा यहीं पहनाते है। पार्टियों की खातिर तो यह मरने और मारने को उतारू हो जाते है। सबसे ज्यादा जनसंख्या इसी वर्ग की होती है। ऊपर ओर मध्य वर्ग वाले बदलते रहते हैं पर यह बेचारे सही मायने में असली कार्यकर्ता होते हैं। पार्टी के एक आहान पर ये नंगे पैर दौड़े चले आते है ना ही इन्हें जूतों की ना ही इन्हें सफेदीदार कपड़ो की जरूरत होती है। यही सही मायने में पार्टियों के लिए कार्य करते हैं परंतु आपको एक अंदर की बात बताऊं बहनजी आज कल ये निम्न वर्ग ही है जो श्रेष्ठ है। वो इन पार्टियों से रूष्ट है वो क्यों भैया, दुकानदार बोला अब देखिए ना बहन जी श्रेष्ठ वर्ग वालो को परिवारवाद की सौगात विरासत में मिलती है। मध्यम वर्ग वालो को भी अगल बगल वाले पद मिल जाते हैं। हम ठहरे निम्न वर्ग वाले कार्यकर्ता,हम हमारे स्वयं के कार्य के लिए सुबह सुबह इनके दरवाजे पर अपनी और अपनों की गुहार व फरियाद लेकर लंबी-लंबी लाइन लगाकर खड़े रहते हैं,फिर भी हमारे कुछ ही काम होते हैं बाकी के काम ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। हम तो खूंटे से बंधी वो दुधारू गाय है जो समय आने पर दूहे ली जाती है। अच्छा तो भैया आप भी दूसरी पार्टी में चले जाए । अरे नहीं बहनजी उधर भी निम्न वर्ग वालों का यही हाल है। यहां हम कम से कम सिद्धांत वादी तो बने रहेंगे। वैसे भी इमारतों की भव्यता देखी जाती है नींव को कौन पूछता है। यह लो आपकी लाल चप्पल की लालिमा बरकरार रख दी। लाल डसों से चप्पल फिर से नई हो गई है। आशा,बोली शुक्रिया भैया,सही मायने में आप ही असली कार्यकर्ता हो।

डॉ.कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

जैन पदयात्रा संघ ने सांगानेर जैन मंदिर तक पदयात्रा का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

11 जून 2023 को श्री चंद्रप्रभु पल्लीवाल दिगंबर जैन मंदिर, शक्तिनगर से श्री आदिनाथ भगवान जैन मंदिर , दीवान बद्रीचंद्र जी, रामदेव चौक सांगानेर , जयपुर के लिए निकाली गई पैदल यात्रा। प्रातः 5:00 बजे जैन पैदल यात्रा संघ, जयपुर के सानिध्य में पैदल यात्रा श्री पल्लीवाल दिगंबर जैन मंदिर, शक्तिनगर से श्री आदिनाथ भगवान जैन मंदिर, दीवान बदीचंद, नामदेव चौक, सांगानेर, जयपुर के लिए रवाना हुई। यह पैदल यात्रा शक्ति नगर से रिद्धि सिद्धि तिराया से शिप्रा पथ लैंडस्केप मार्ग से होते हुए बी 2 बाईपास शिप्रा पथ चौराहे होते हुए एस एफ एस स्थित श्री आदिनाथ भगवान जैन मंदिर पहुंची। वहां पर सभी पद यात्रियों ने मंदिर के दर्शन व अभिषेक दर्शन का लाभ लिया। वहां से पैदल यात्रा रवाना होकर न्यू सांगानेर रोड से सांगानेर पुलिया से संघी जी जैन मंदिर पहुंची। वहां पर सभी पद यात्रियों ने सांगानेर स्थित सभी प्राचीन जैन मंदिर संघी जी जैन मंदिर , चन्द्रप्रभु जैन श्वेताम्बर मंदिर, अढ़ाई पेड़ी जैन मंदिर , पाटनीयान जैन मंदिर , गोदीकान जैन मंदिर आदि के दर्शन करते हुए पैदल यात्रा श्री आदिनाथ जैन मंदिर दीवान बग्गी चंद जी नामदेव चौक पहुंची। मंदिर पहुंचकर सभी पद यात्रियों ने मंदिर दर्शन करने के उपरांत सामूहिक रूप से आदिनाथ भगवान की आरती , पंच परमेष्ठी भगवान की आरती, आदिनाथ भगवान चालीसा, णमोकार मंत्र का जाप व भक्ति कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया। मंदिर का इतिहास, जिनेंद्र भगवान की प्राचीन प्रतिमाएं व दीवार पर नक्काशी का कार्य देखकर सभी पदयात्री प्रफुल्लित व भावविभोर हो गए। कार्यकारिणी द्वारा सभी पद यात्रियों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया और नाश्ता प्रसादी की व्यवस्था की गई। नाश्ता प्रसादी लेकर प्रातः 10:30 बजे बस के माध्यम से पैदल यात्रा वहां से रवाना हुई।

महंगाई राहत कैम्प : 1.57 करोड़ से अधिक परिवारों को मिली महंगाई से राहत 6.92 करोड़ से अधिक गारंटी कार्ड हो चुके वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया। महंगाई के दौर में निश्चित राहत की गारंटी देने वाले महंगाई राहत कैम्प में लाभान्वित परिवारों का आंकड़ा हर दिन तेजी से बढ़ता जा रहा है। राज्य सरकार की दस लोककल्याणकारी योजनाओं में रजिस्ट्रेशन से लोगों का जीवन खुशहाल हो रहा है। सोमवार शाम तक इन कैम्पों के माध्यम से 1.57 करोड़ परिवारों को लाभान्वित किया जा चुका है, जबकि 6.92 करोड़ से अधिक गारंटी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सोमवार शाम तक इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 51.59 लाख, मुख्यमंत्री निःशुल्क घरेलू बिजली योजना में लगभग 86 लाख, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना में 10.29 लाख, मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में 96.78 लाख, मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 61.66 लाख एवं इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 4.21 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। इसी प्रकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 47.99 लाख, मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना में 93.63 लाख, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 1.20 करोड़ एवं मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 1.20 करोड़ से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

सुरेंद्र पांड्या ने वृक्षारोपण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र मृदुला पांड्या ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com